नव भारत, इन्दौर सोमवार 3 जून, 2002

मेदिनी पुरस्कार के लिए 'पानी दे गुड़ धानी दे' का चयन

■ देवास, 2 जून.निप्र. ■

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के मेदिनी पुरस्कार के तहत भू-जल संवर्द्धन पर केन्द्रित सुनीत चतुर्वेदी की किताब ''पानी दे, गुड़धानी दे'' का चयन किया गया है. विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को यह पुरस्कार किताब के लेखक श्री चतुर्वेदी को नई दिल्ली में दिया जाएगा.

भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मेदिनी पुरस्कार के अंतर्गत गठित मूल्यांकन समिति की सिफारिश एवं वन मंत्रालय के अनुमोदन पश्चात भू-जलसंवर्द्धन पर केन्द्रित पुस्तक पानी दे गुड़धानी दे को इस वर्ष पुरस्कार के लिए चुना गया है. उल्लेखनीय है कि पानी दे गुड़धानी दे देवास में किए गए भू-जल संवर्द्धन प्रयासों का दस्तावेज है, साथ ही भूजल संवर्द्धन की तकनीकों को सरल भाषा में पुस्तक में दिया गया है. श्री चतुर्वेदी को यह पुरस्कार विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को स्कोप कॉम्प्लेक्स आडिटोरियम लोदी रोड नई दिल्ली में आयोजित एक प्रतिष्ठापूर्ण समारोह में दिया जाएगा. सुनील चतुर्वेदी पत्रकारिता के साथ-साथ संवर्द्धन कार्यों को लेकर लंबे समय से कार्यरत हैं. भू-जल संवर्द्धन की विभिन्न तकनीकों को जनसामान्य के लिए कम खर्चीली बनाने तथा इसे देवास जिले में

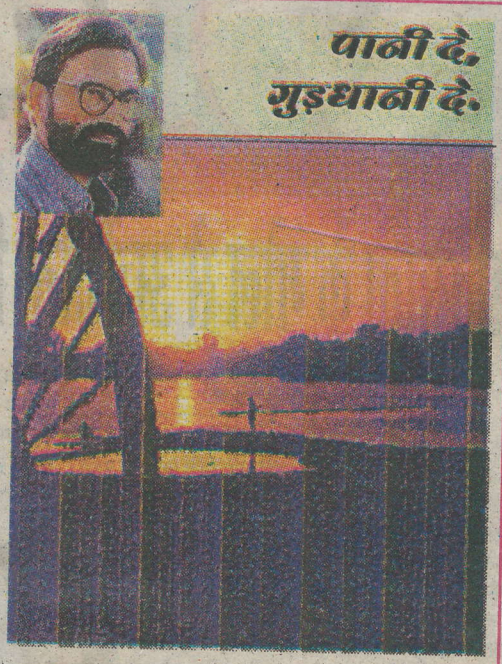

पुरस्कृत पुस्तक तथा इनसेट में लेखक सुनील चतुर्वेदी.

जन आंदोलन का स्वरूप देने में लगातार सक्रिय रहे हैं. श्री चतुर्वेदी वर्तमान में स्वयंसेवी संस्था ''विभावरी'' के साथ देवास जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भू-जल संवर्द्धन पर कार्य रहे हैं.